नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-I

(भोजपुरी साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. भक्तिकाल के स्वर्णयुग काहे कहल जाला? तर्कपूर्ण उत्तर दीहीं ।
2. साहित्येतिहास लेखन पर मार्क्सवादी प्रभाव के विवेचन करीं ।
3. इतिहास-दर्शन आ साहित्य के इतिहास-दर्शन में का अन्तर बा? स्पष्ट करीं ।
4. भोजपुरी संत-साहित्य के विभिन्न प्रवृत्तियन के परिचय दीहीं ।
5. सिद्ध-साहित्य के भाषा पर विचार करीं आ ओह में भोजपुरी तत्त्व पर प्रकाश डालीं ।
6. सरभंग सम्प्रदाय के साधना पक्ष के विवेचन करीं ।
7. संत-साहित्य के मूल तत्त्व पर प्रकाश डालीं ।
8. नाथ-पंथ के विकास में गोरखनाथ के योगदान पर प्रकाश डालीं ।
9. धरमदास के काव्यात्मक परिचय दीहीं ।
10. भोजपुरी साहित्य के काल-विभाजन आ नामकरण के आधार के औचित्य पर प्रकाश डालीं ।

ꣿ ꣿ ꣿ

Examination Programme, 2013

M.A. Bhojpuri, Part–I

Date	Paper	Time	Examination Centre
16.07.2013	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
18.07.2013	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
20.07.2013	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
22.07.2013	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
24.07.2013	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
26.07.2013	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
30.07.2013	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
01.08.2013	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-II

(भोजपुरीतर अन्य क्षेत्रीय भाषा-साहित्य के अध्ययन)

वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. अवधी भाषा के संक्षिप्त व्युत्पत्तिगत परिचय दीहीं ।
2. तिरहुता लिपि प एगो टिप्पणी लिखीं ।
3. मैथिली आलोचना आ उनन्यास के विकास प चर्चा करीं ।
4. अवधी साहित्य के चउथका उत्थान काल प एगो विस्तृत टिप्पणी लिखीं ।
5. मगही भाषा के नामकरण आ विकास यात्रा पर एगो निबंध लिखीं ।
6. वज्जिका के प्राचीन साहित्य के परिचय दीहीं ।
7. अंगिका भाषा के संझा रूप के उदाहरण सहित परिचय दीं ।
8. वज्जिका भाषा के नामकरण आ क्षेत्र के बारे में विस्तार से बताईं ।
9. मगही भाषा के संस्कारगीत के विशेषता पर प्रकाश डालीं ।
10. मगही नाटक आ निबंध-साहित्य के विकास-यात्रा के समीक्षा करीं ।

ꣿ ꣿ ꣿ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-II

(भारतीय काव्य शास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. "भारतीय काव्य शास्त्रनि के एगो बहुत लमहर परम्परा बा" - एह कथन के सत्यपित करीं ।
2. काव्य के लक्षण प प्रकाश डालीं ।
3. काव्य का गुणनि के चरचा करीं ।
4. "रस काव्य के आत्मा ह" - एह कथन पर विचार करीं ।
5. रस-सिद्धांत के पहिल आचार्य आ उनुकर सिद्धान्त का विषय में बताईं ।
6. भट्टलोल्लट के रस-सिद्धांत के व्याख्या करीं ।
7. कवि के अनुभूति का साधारणीकरण कइसे होला?
8. ध्वनि-सिद्धांत के प्रमुख सिद्धांत आ ओकर मान्यता प विचार करीं ।
9. वक्रोक्ति-सिद्धांत का संदर्भ में आचार्य कुन्तक के महत्व पर प्रकाश डालीं ।
10. नीचा लिखल छंदनि के लक्षण आ मात्रा बताईं :-
    सवैया, कवित्त, कुंडलिया, दोहा आ हरिगीतिका ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-IV

(भोजपुरी आलोचना साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. "भोजपुरी आलोचना के इतिहास में अंग्रेजी आ हिन्दी भाषा के माध्यम से भइल आलोचनात्मक कार्य के उल्लेखनीय योगदान बा" प्रमाणित करीं ।

2. "डॉ0 विवेकी राय सहृदय आलोचक हईं" एह कथन के पुष्टि करत उनकर आलोचना पद्धति पर विचार करीं ।

3. डॉ0 शंभुशरण के समीक्षा कार्य के लेखा-जोखा प्रस्तुत करीं आ उनका समीक्षा पद्धति पर विचार करीं ।

4. पं0 गणेश चौबे जी के आलोचनात्मक योगदान के संक्षिप्त ब्योरा दीं आ उनका आलोचना पद्धति के विशेषता बतलाईं ।

5. भोजपुरी के सैद्धांतिक आलोचना में डॉ0 विश्वरंजन के योगदान के प्रस्तुत करीं ।

6. आलोचना के कतना प्रकार हो सकत बा, ओकरा मुख्य प्रकारन के चर्चा करीं आ ओकर महत्व बतलाईं ।

7. "भोजपुरी सम्मेलन पत्रिका" में प्रकाशित पुस्तक समीक्षा के परिचय सोदाहरण देत ओकर योगदान के चरचा करीं ।

8. प्रो0 ब्रज किशोर के जीवन आ साहित्यिक योगदान के बारे में बतावत भोजपुरी में उनका समीक्षात्मक योगदान के वर्णन करीं ।

9. दुर्गा शंकर प्रसाद सिंह "नाथ" के भोजपुरी साहित्य के आलोचना के क्षेत्र में का योगदान बा? बताईं ।

10. डॉ0 शिव वंश पाण्डेय जी के भोजपुरी समीक्षा साहित्य में अवदान के चरचा करीं आ उनकर समीक्षा पद्धति के विशेषता बतलाईं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट- I, पत्र-V

(प्रयोजनमूलक भोजपुरी)

वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. प्रयोजनमूलक भासा के स्वरूप पर प्रकाश डालीं ।

2. "अनुवाद" से का समझत बानी आ अनुवाद केतना प्रकार के होला?

3. निम्नलिखित हिन्दी पारिभाषिक शब्दन के भोजपुरी पर्याय लिखी :
अभिरक्षक, विधवा, सधवा, भूमि, आरक्षी, दोषी, विवाह, संविदा, क्रेता, खर्च, स्वामी, हल, सवारी, तालाब, सेना, उधार ।

4. संक्षेपन करत कवन-कवन बात पर विशेष रूप से धियान देवे के चाही?

5. टिप्पनी से रउवा का समझत हईं? सामान्य टिप्पनी आ कार्यालयी टिप्पनी में का फरक होला?

6. कार्यालयी प्रारूपन के विभिन्न रूप पर प्रकाश डालीं ।

7. कोई आपन चार डिसमिल जमीन बेंचल चाहत हऽ । कवनो आदमी बयाना देके दु महीना के बाद जमीन लिखवावे खातिर तैयार भइल बा । रउआ एकर बय-बयाना के प्रारूप तैयार करीं ।

8. जनसंचार के इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के प्रमुख अंगन पर टिप्पनी लिखीं ।

9. पत्र-पत्रिकन के परिभाषा देत ओकरा विभिन्न अंगन के परिचय दीहल जाय ।

10. "संवाद" आ "पट-कथा" से का समझत हईं, फिल्म में एकर का महत्त्व होला?

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट- **I**, पत्र-**VI**

(भोजपुरी लोक-साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. कइसे कहि सकतानी जे लोक साहित्य शिष्ट साहित्य के मानदण्डों पर खर्रा बा ? आपन तर्कपूर्ण विचार प्रस्तुत करीं ।

2. लोक साहित्य में व्यक्त काव्यशास्त्रीय तत्त्वन पर प्रकाश डालीं ।

3. श्रव्य आ दृश्य काव्य के बारे में बतावत लोक नाट्य के वर्गीकरण प्रस्तुत करीं ।

4. लोकगीतन के वर्गीकरण तर्कपूर्ण ढ़ंग से प्रस्तुत करीं ।

5. जन्म संस्कार से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के भोजपुरी संस्कार गीतन के चर्चा सोदाहरण करीं ।

6. ऋतुगीतन के महत्त्व बतावत कजरी गीत के चर्चा सोदाहरण करीं ।

7. लोकगाथा के उत्पत्ति-सम्बन्धी सिद्धान्तन के परिचय दीं ।

8. शिष्टकथा आ लोक कथा पर आपन दृष्टिकोण स्पष्ट करीं ।

9. लोकगीतन से प्रमाण देत भोजपुरी क्षेत्र के पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक आ धार्मिक संस्कृतियन के उल्लेख करीं ।

10. संख्या सम्बन्धी रूढ़ि पर सविस्तार विचार व्यक्त करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट- I, पत्र-VII

(भोजपुरी कहानी)

वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. कहानी में कथानक के उपयोगिता आ महत्व पर प्रकाश डालीं ।
2. भोजपुरी कहानी का सोझा आज कवन-कवन प्रमुख समस्या बा ? संक्षेप में ओकर विवरण प्रस्तुत करीं ।
3. कहानी तत्वन के दृष्टि में रख के 'मछरी' कहानी के विश्लेषण करीं ।
4. 'बड़प्पन' कहानी के कथानक के समीक्षापूर्ण प्रस्तुति करीं ।
5. 'एगो आउर अभिमन्यु' के नायक के चरित्र-चित्रण करीं ।
6. 'कोढ़' कहानी के समीक्षा प्रस्तुत करीं ।
7. श्री मिथिलेश्वर के कहानी 'तिरिआ जनम जनि दीह बिधाता' के नायिका के चरित्र-चित्रण करीं ।
8. 'भूतहा पीपर' के नायक अविनाश के चरित्र-चित्रण करीं ।
9. 'बकसऽ ए बिलार' के नायिका के बा-टुनुकी की चनरी ? कारण देत ओकर चरित्र-चित्रण करीं ।
10. सप्रसंग व्याख्या करीं :-
    (क) मरद के परछाँहीं महरारू हवे । मेहरिया के पाछा-पाछा मरदा रसियाइल डोरियाइल फिरी त कवन अभागिन होई जे ओकरा के लुलुआवत रही ?
    (ख) जे आदमी अपना चारों ओर रंगीन रोशनी जला के चकमक कइले रहेला, ओकरा भीतर कहीं-न-कहीं अमावस के अंधरिया छिपल होला । जे दोसरा से आपन असलियत छिपावत फिरेला, समझिह कि ऊ अपना असलियत से खुदे डेराइल रहेला ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट- I, पत्र-VIII

(भोजपुरी निबंध)

वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. अंगरेजी भाषा के जरिये पढ़ावे में बहुत नुकसान हो रहल बा, ए पर प्रकाश डालत बतलायीं कि भोजपुरी में पढ़वला से का फायदा होई आ कइसे ?

2. गणेश चौबे के भोजपुरी साहितय के सेवा के वर्णन करीं ।

3. 'पनही' निबंध के आलोचनात्मक वर्णन करीं ।

4. पानी के जीवन में का महत्व बा ? विस्तार से लिखीं ।

5. 'जवानी' के सामाजिक पक्ष भा संदर्भ का बा ? विस्तार से लिखीं ।

6. 'पुल कमजोर बा' के दार्शनिक पक्ष भा संदर्भ उजागर करीं ।

7. प्रस्तुत निबंध 'समुंदर का हलफन से भिड़त' के खासियत का बा ? विस्तार से लिखीं ।

8. राजनेता आ अपराधी गठजोड़ से देश के छवि धूमिल हो रहल बा । एह पर प्रकाश डालीं ।

9. ईश्वरचन्द्र सिनहा के साहित्यिक परिचय लिखीं ।

10. सप्रसंग व्याख्या करीं :-

    (क) जब बिआह के साल भरि के बाद मेहरारू बदले के बा त प्रेम का रही ? प्रेम ना रही त परिवार के गाड़ी कइसे चली ? विदेश में कहाँ चलता ? भोग के लोग भोग से दबावे के चाहता । कइसे दबी ? आगि से आगि बुताले कि धन्हके ले । मल से मल छूटे ना, बढ़ेला ।

    (ख) खटिया में राजतंत्र बा आ कुर्सी में प्रजातंत्र । कुर्सी में खटिया जइसन लदान भी त नइखे । कइसन भद्दा लागेला कि खटिया पर भाई लोग बइठेला कि बस बइठते चलि जाला । चउथा पाँचवा से फानि के सातवाँ आठवाँ आदमी तक गँव लगा के धुसुकि-मुसुकि के ओहि में धँसि जालन । ई लोग ओ ही तरे लदात जालन जइसे कर का भार से जनता ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट- **II**, पत्र-**IX**

(आधुनिक भोजपुरी साहित्य के इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. आधुनिक भोजपुरी कविता में स्वतंत्रता-पूर्व राष्ट्रीय चेतना आ देश-भक्ति भावना के सोदाहरण विवेचन करीं।
2. आधुनिक भोजपुरी कविता में नवगीत अथवा मुक्तछन्द में रचित कविता के विकास आ लोकप्रियता पर प्रकाश डालीं ।
3. 'भग जोगनी' कहानी-संग्रह के कहानियन के मूल्यांकन करीं ।
4. कृष्णानन्द कृष्ण के कहानी-कला के मूल्यांकन करीं ।
5. ईश्वरचंद्र सिनहा के कहानी-कला के विवेचन करीं ।
6. डॉ० विवेकी राय के उपन्यास "अमंगलहारी" के समीक्षा करीं ।
7. स्व० रामनाथ पाण्डेय के उपन्यास "महेन्दर मिसिर" के विशेषता पर प्रकाश डालीं ।
8. डॉ० विवेकी राय के निबंध-कला के विवेचन करीं ।
9. सुरेश कांटक के भोजपुरी नाटक "हाथी के दाँत" के परिचय दीं आउर नाटक परम्परा में एकर स्थान बताईं ।
10. "भोजपुरी सम्मेलन पत्रिका" में प्रकाशित पुस्तक-समीक्षा के परिचय देत आलोचना के क्षेत्र में ओकर योगदान के चर्चा करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2013

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट- **II**, पत्र-**X**

(भाषा विज्ञान)

समय : 3 घंटा | पूर्णांक : 80

प्रत्येक खंड से कम से कम दू गो प्रश्न के चुनाव करत कुल पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं ।
सब प्रश्न के अंक समान बा ।

खण्ड-क

1. भाषा विज्ञान के प्रधान आ गौण शाखा के विवेचन करीं ।

2. व्याकरण आ साहित्य के साथे भाषा विज्ञान के सम्बन्ध निरूपित करीं ।

3. भाषा आ बोली में अन्तर बतावत ई बताईं कि कब बोली भाषा बन जाले?

4. भोजपुरी ध्वनियन के स्थानगत आ प्रयत्नगत संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करीं ।

5. संक्षिप्त टिप्पणी लिखीं :-
   (क) वाक्य परिवर्तन के दिशा (ख) वाक्य रचना

खण्ड-ख

6. भाषा परिवार के का मतबल ह । भाषा परिवार के भीतर भोजपुरी के स्थान बताईं ।

7. मैथिली के विभाषा आ बोली के परिचय दीहीं ।

8. “आजु के दिन भोजपुरी खाली भारते के ना, विश्व के भाषा हो गइल बा” इह कथन के पक्ष-विपक्ष में आपन राय लिखीं ।

9. “कहावत” आ “मुहावरा” में का अन्तर बा? भोजपुरी में प्रयुक्त मुहावरन के उदाहरन देत एकरा के स्प्ष्ट करीं ।

10. भोजपुरी विशेषन के विभिन्न रूपन के परिभाषा देत ओकर सोदाहरण विवेचन करीं ।

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2013

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट- II, पत्र-XI

(भोजपुरी गद्य के अन्य प्रमुख विधा)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. रेखाचित्र "सुरतिया ना बिसरे" में सामाजिक कुरीति, दुरवस्था आ दुर्व्यवस्था प जवन चोट कइल गइल बा ओकर परिचय दीहीं ।

2. साहित्य के एगो विधा के रूप में रेखाचित्र के परिचय दीहीं ।

3. "सुरता के पथार" शीर्षक संस्मरण के आधार पर लेखक के जीवन आ उनका बालपन के जीवन के वर्णन अपना शब्दन में प्रस्तुत करीं ।

4. "पगला तिवारी" आ "जगतपती वैध" शीर्षक रेखाचित्र के आलोचना प्रस्तुत करीं ।

5. "देखीं आगरा" के विषय-वस्तु से परिचित करवाईं ।

6. "ठाकुर भले बिराजो जी" में लेखक जगन्नाथपुरी के यात्रा के आपन अनुभव बतावे के जउन कोसिस कइले बाड़न ओकर वर्णन आपन शब्दन में प्रस्तुत करीं ।

7. आचार्य महेन्द्र शास्त्री के सामाजिक विचार के परिचय दीहीं ।

8. आचार्य महेन्द्र शास्त्री के व्यक्तित्व के परिचय दीहीं ।

9. "शाहाबादी जी साहित्य के साथे-साथ सामान्य ज्ञान आ अन्य विषयन के ज्ञान में भी दक्ष बानी" ऐनक ग्रन्थ के आधार पर एह कथन के सत्यता के परीक्षण करीं ।

10. "जिन ढूढ़ा तिन पाइया" शीर्षक रिपार्ताज के मुख्य भावना पर प्रकाश डालीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2013

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट- **II**, पत्र-**XII**

(पाश्चात्य आलोचना एवं शैली विज्ञान)

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. पाश्चात्य आलोचना के विकास आ आधुनिक रूप प विस्तार से चर्चा करीं ।
2. अरस्तू के अनुकरण सिद्धांत के मौलिकता बतावत ओकर विश्लेषण करीं ।
3. भारतीय रस-सिद्धांत (साधारणीकरण) के संदर्भ में अरस्तू के विरेचन सिद्धांत के विश्लेषण करीं ।
4. टी० एस० इलियट के परम्परा आ वैयक्तिक प्रज्ञा विषयक विचारनि के विवेचन करीं ।
5. रिचर्ड्स के सम्प्रेषण के सिद्धांत के विश्लेषण करीं ।
6. हिन्दी के आलोचक रामचन्द्र शुक्ल के दृष्टि में क्रोचे के अभिव्यंजना-सिद्धांत प्राचीन भारतीय काव्य-सिद्धांत वक्रोक्तिवाद के कलमी पौधा हवे, शुक्लजी के एह कथन के समीक्षा करीं ।
7. भाषापरक दृष्टि से कॉडवेल के विचार निरूपित करीं ।
8. फ्रायड आ मार्क्स के कला सम्बन्धी मत के अपना भाषा में उपस्थापित करीं ।
9. कला-वर्गीकरण के व्यावहारिक दृष्टि से चर्चा करत एह आधार पर कला के वर्गीकरण आ ओकर व्याख्या करीं ।
10. आलोचना के प्रकारनि के विस्तार से चर्चा करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2013

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट- II, पत्र-XIII

(भोजपुरी प्रबंध काव्य एवं मुक्तक काव्य)

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

प्रत्येक खंड से कम से कम दू गो प्रश्न के चुनके कुल पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

खण्ड-क

1. कविराज विश्वनाथ के दिहल गइल महाकाव्य के परिभाषा पर विशेष रूप से विचार करत महाकाव्य के सिद्धान्त पर विचार करीं ।
2. भोजपुरी प्रबन्ध काव्य के रस-विधान आ भाषिक संरचना पर आपन विचार प्रस्तुत करीं ।
3. डॉ0 सर्वदेव तिवारी के परिचय देत, उनकर महाकाव्य “कालजयी कुँवर सिंह” के सर्ग तीन के कथावस्तु प्रस्तुत करीं ।
4. “बुद्धायन” के शिल्पगत परिचय देत ओकरा भाषिक संरचना पर विचार करीं ।
5. भारतीय आ पाश्चात्य काव्य शास्त्रीय निकष पर “द्रौपदी” कहाँ तक खरा उतरत बा, विवेचना करीं ।

खण्ड-ख

6. “कवनो ठगवा नगरिया लूटल हो” कविता के समीक्षा करीं ।
7. संत लक्ष्मी सखी के साहित्यिक व्यक्तित्व के चर्चा करीं ।
8. “बटोहिया” गीत में आइल महापुरूषन के संक्षेप में वर्णन करीं ।
9. “बगुला भगत” कविता के समीक्षा करीं ।
10. “फन कढ़ल पुरवइया” कविता में प्रकृति के वर्णन कइसन भइल बा? उदाहरण सहित लिखीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2013

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट- II, पत्र-XIV

(भोजपुरी उपन्यास)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. भोजपुरी उपन्यास के प्रमुख विशेषता पर प्रकाश डालीं ।

2. "फुलसुंधी" उपन्यास के आधार पर गुलजारी बाई के चरित्र चित्रण करीं ।

3. "फुलसुंधी" के शिल्प आ शैली पर प्रकाश डालीं ।

4. "फुलसुंधी" नाँव के औचित्य पर आपन विचार तर्कपूर्ण ढंग से लिखीं ।

5. "इमरीतिया काकी" उपन्यास के संक्षिप्त कथानक प्रस्तुत करीं ।

6. "इमरीतिया काकी" उपन्यास के पृष्ठभूमि में ए ही बदलत सामाजिक संदर्भ के रूपायित करे के प्रयास बा - रचनाकार के एह वक्तव्य के सत्यता के समीक्षा करीं ।

7. "ग्राम देवता" में भोजपुरी गाँव के यर्थाथवादी चित्र उपस्थित कइल गइल बा" - एह कथन के पल्लवित करीं ।

8. "ग्राम देवता" के संवाद-योजना पर आपन विचार दीहीं ।

9. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखीं -
   (क) सामाजिक उपन्यास
   (ख) आँचलिक उपन्यास के विशेषता

10. सप्रसंग व्याख्या करीं -
   (क) आदमी बड़ा छोट आ कमजोर जीव ह । ऊ त समय आ परिस्थिति ओकरा के बड़ बना देबेला ।
   (ख) जवानी के ना कवनो जात होखे, ना कवनो धरम-जवानी बस जवानी ह । एके रस, एके रूप आ एके गंधवाली । ना त कंठीधारी के कंठी टूटीत, ना नेमधारी के नेम छूटीत ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2013

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट- II, पत्र-XV

(भोजपुरी नाटक)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. "नाटक में रस आ आनन्द के प्राप्त करे के पूरा अवसर बा" - एह कथन के विवेचना करीं ।
2. भोजपुरी के आधुनिक (सन् 1974-2007 ई0) का बीच लिखल गइल नाटकन के विषय वस्तु पर प्रकाश डालीं ।
3. लोक कलाकार भिखारी ठाकुर के समय के सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक आ सांस्कृतिक परिवेश के आकलन करीं ।
4. "बिदेसिया" के गीत-योजना पर प्रकाश डालीं ।
5. "बिदेसिया" के नायिका के बा? ओकर चरित्र-चित्रण करीं ।
6. "केहू ना हमार" नाटक में मानवतावाद के स्थापना भइल बा, ओकरा के विस्तार से लिखीं ।
7. "केहू ना हमार" नाटक आज के गाँव के छल-कपट के बरनन से भरल बा, समझा के लिखीं ।
8. "शुरूआत" नाटक के आधार पर फूलवन्ती के चरित्र-चित्रण करीं ।
9. "हाथी के दाँत" में कई तरह के सामाजिक जीवन जीयेवाला लोग बाड़न, उनकर अलग-अलग स्थिति के वर्णन करीं ।
10. सप्रसंग व्याख्या करीं :-
    (क) बाप के धरम जानऽताड़ का ह ? कसहुँ अपना लरिकन के पेट भरे के, पीठ फोरे के ना । जब आँत के भट्ठी सुनुगे लागे त नीमन-नीमन गेआनी लोग के गेआन भूख के धन्हकत जुआला में जर के छार हो जाला ।
    (ख) बिदेसी ब्रह्म, बटोही धरम, रखेलिन माया, प्यारी सुन्दरी जीव । ब्रह्म जीव-दूनूँ जना एही देह में बाड़न बाकी भेंट ना होखे । कारण ? माया । एकरा के काटेवाला बटोही धरम ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2013

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट- **II**, पत्र-**XVI**

(भोजपुरी से इतर भारतीय साहित्य)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. वैदिक साहित्य के परिचय दीहीं ।
2. संस्कृत साहित्य के संदेश काव्यन के मार्मिकता के विवेचन करीं ।
3. मलयालम्-उपन्यास के उद्‌भव और विकास के परिचय दीहीं ।
4. आधुनिक युग में कन्नड़ काव्य के विकास के रूपरेखा स्पष्ट करीं ।
5. गुजराती साहित्य के वैष्णव भक्तिधारा के कवियन के परिचय दीं ।
6. बंगला के प्रेमाख्यान काव्य के परिचय दीं ।
7. नजीर अकबराबादी के परिचय दीं ।
8. पल्लव राजवंश के राज के काल के तमिल साहित्य में भक्ति युग काहे कहल जाला ? युक्ति युक्त उत्तर दीं ।
9. 'कबीर ज्ञानाश्रयी शाखा के श्रेष्ठ कवि रहनीं'-एकर विवेचना करीं ।
10. सूरदास के श्रृंगार आ वात्सल्य पर प्रकाश डालीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ